ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

बापदादा कहते हैं कि स्वमान में सदा रहो।
जहाँ स्वमान है वहाँ देहभान आ ही नहीं सकता।
संगमयुग पर स्वयं बाप द्वारा कितने अच्छे-अच्छे स्वमान प्राप्त हैं ! अपने स्वमान कि लिस्ट निकालो। रोज़ सवेरे-सवेरे बापदादा स्वमान कि स्मृति दिलाते हैं, स्वमान में स्थित कराते हैं। रोज़ भी एक नये ते नया स्वमान स्मृति में रखो तो स्वमान के आगे देहभान ऐसे भाग जाता जैसे रोशनी के आगे अंधकार भाग जाता। स्वमान कि स्मृति का स्विच ऑन करो तो देहभान भाग जाएगा।

अभ्यास- रोज़ अपने लिए बाबा का दिया हुआ एक स्वमान स्मृति में लाओ और सारा दिन उसपर अटेन्शन रखना है।

ब्राह्मण जीवन के सबसे बडे 5 पुण्य कर्म।

०१ पवित्रता की धारणा।

०२ संसार की सभी आत्माओं को सुख-शांति के वायब्रेशन्स देना।

०३ ईश्वरीय सत्य ज्ञान का दान करना।

०४ किसी आत्मा को भगवान से मिला देना।

०५ भगवान के यज्ञ में तन, मन, धन से सहयोग देना।

Vyarth Sankalpon Ka Paper

अर्पण करके दर्पण बनने का पुरूषार्थ यह हुआ कि विल-पावर चाहिए और दूसरा कन्ट्रोलिंग पावर चाहिए। जहाँ चाहें वहाँ अपने आपको अर्थात् अपनी स्थिति को स्थित कर सकें। ऐसे नहीं कि बैठे अपनी स्थिति को स्थित करने के लिए बाप की याद में और उसके बजाय व्यर्थ संकल्प वा डगमग स्थिति बन जाये, यह कन्ट्रोलिंग पावर नहीं है। एक सेकेण्ड से भी कम समय में अपने संकल्प को जहाँ चाहें वहाँ टिका सकें। अगर स्वयं की स्थिति को नहीं टिका सकेंगे तो औरों को आत्मिक-स्थिति में कैसे टिका सकेंगे। इसलिए अपनी स्टेज और स्टेट्स -- दोनों की स्मृति सदा रहे तब ही लक्ष्य की सिद्धि पा सकेंगे। तो विल- पावर और कन्ट्रोलिंग पावर -- दोनों के लिए मुख्य क्या याद रखें, जिससे दोनों पावर्स आयें? इन दोनों पावर्स के पुरूषार्थ का एक-एक शब्द में ही साधन है।

कन्ट्रोलिंग पावर के लिए सदैव महान् अन्तर सामने रहे तो आटोमेटि- कली जो श्रेष्ठ होगा उस तरफ बुद्धि जायेगी और जो व्यर्थ महसूस होगा उस तरफ बुद्धि आटोमेटिकली नहीं जायेगी। जो भी कर्म करते हो तो महान् अन्तर-शुद्ध और अशुद्ध, सत्य और असत्य, स्मृति और विस्मृति में क्या अन्तर है, व्यर्थ और समर्थ संकल्प में क्या अन्तर है, सब बात में अगर महान् अन्तर करते जाओ तो दूसरे तरफ बुद्धि आटोमेटिकली कन्ट्रोल हो जायेगी। और विल-पावर के लिए है महामन्त्र-अगर महान् अन्तर और महामन्त्र यह दोनों ही याद रहें तो कभी बुद्धि को कन्ट्रोल करने व्ो लिए मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। यह सहज है। पहले चेक करो अर्थात् अन्तर सोचो, फिर कर्म करो। अन्तर नहीं देखते, अलबेले चलते रहते, इसलिए कन्ट्रोलिंग पावर जो आनी चाहिए वह नहीं आती। और महामन्त्र से विल-पावर आटोमेटिकली आ जायेगी। क्योंकि महामन्त्र है ही बाप की याद अर्थात् बाप के साथ, बाप के कर्त्तव्य के साथ, बाप के गुणों के साथ सदैव अपनी बुद्धि को स्थित करना। तो महामन्त्र बुद्धि में रहने से अर्थात् बुद्धि का कनेक्शन पावर-हाउस से होने के कारण विल-पावर आ जाती है। तो महामन्त्र और महान् अन्तर-यह दोनों ही याद रहे तो दोनों पावरस सहज आ सकती हैं। महामन्त्र और महान अन्तर- दोनों स्मृति में रख फिर ज्ञान का नेत्र चलाने से देखो सफलता कितनी होती है। जैसे सुनाया था ना-हंस का कर्त्तव्य क्या होता है। वह सदैव कंकड़ और रत्नों का महान् अन्तर करता है। तो ऐसे ही बुद्धि में सदैव महान् अन्तर याद रहे तो महामन्त्र भी सहज याद आ जायेगा। --18-07-1971

Achanak Aur Eveready

आकारी और निराकारी स्थिति का अभ्यास

परमपिता शिव परमात्मा

शिव बाप है निराकारी
और ब्रह्मा बाप है आकारी फरिश्ता
अगर दोनों से प्यार है तो समान बनो
साकार में रहते अभ्यास करो -
अभी-अभी आकारी
और अभी-अभी निराकारी
तो यह अभ्यास ही
हलचल में अचल बना देगा

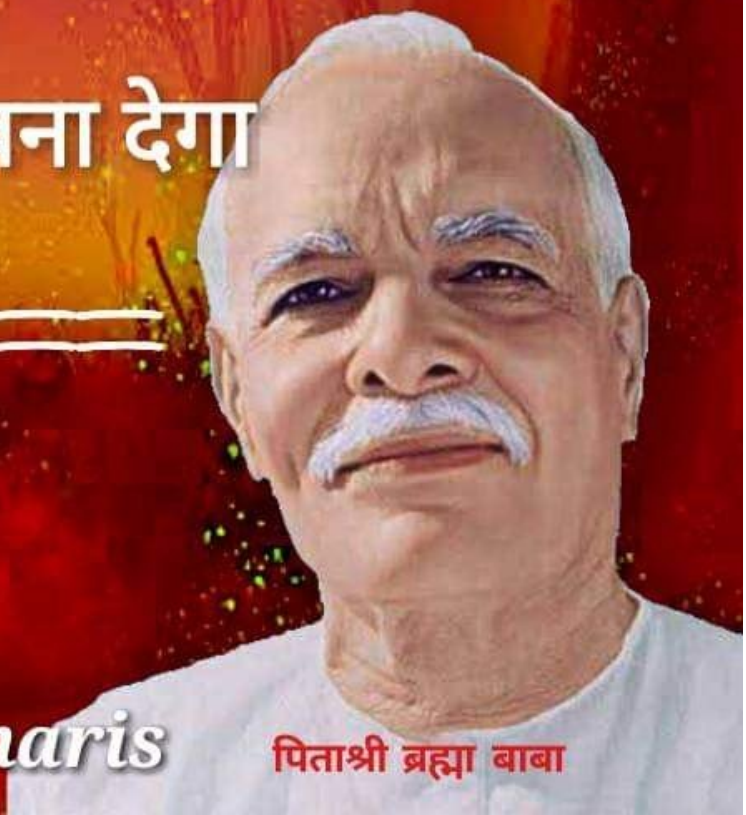

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Om Shanti

Join Brahma Kumaris

बच्चे कहते हैं कि परमात्मा से पद्मगुणा प्यार है लेकिन प्यार का सबूत है, हर कार्य उसकी पसंद से करना। ब्रह्मा बाबा और शिव पिता की विशेष पसन्द है पवित्रता।

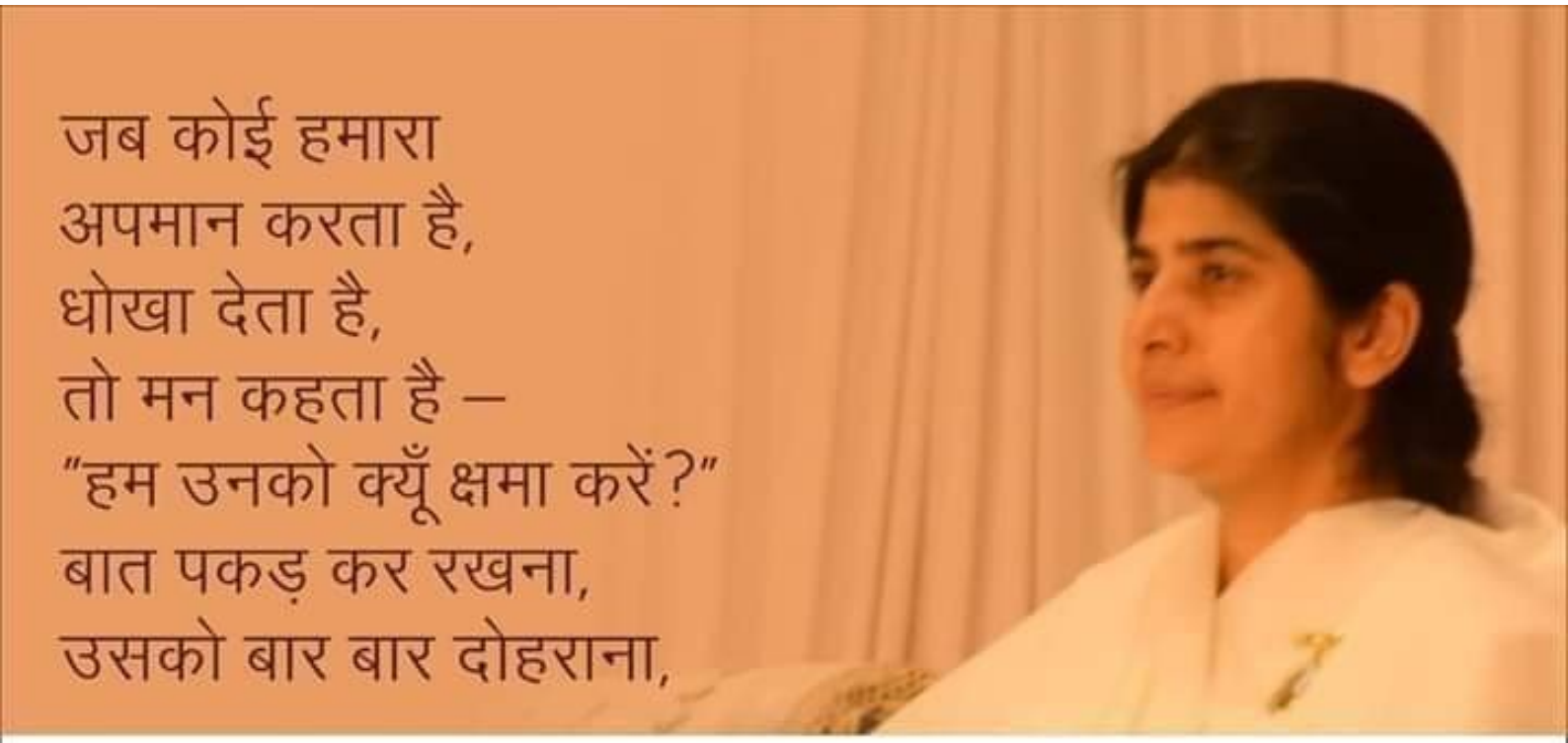

दर्द हमें देता है ... उन्हें नहीं।
हमें क्षमा उनके लिए नहीं, अपने सुख के लिए करना है।
उनका व्यवहार चित्त पर रखने से, औरों को सुनाने से,
हमारे संस्कार और हमारी सेहत,
दोनों पर असर पड़ता है।

FORGIVE for a Healthy and Happy Life.

BK SHIVANI

facebook.com/BKShivani | youtube.com/BKShivani

Each moment we choose our thoughts & feelings & therefore we choose the road as well as the destiny.
BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org